

कवि दिवस

03/8/2026

आज दिनांक 03/8/2026 को रावद्रक्षि मैफिलीशायर जी के जन्म दिवस के अवसर पर हिन्दी विभाग में उनके जन्म दिवस के रूप में मान्य 'कवि-दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर, कुल जी के जीवन-परिचय, उनकी कृतियों जैसे - साहित्य, भाषा-भारती, यशोधर, पंचवली, अणुप-वध आदि पर छात्रों के वक्तव्य प्रस्तुत किया।

अभिपति -

- | | |
|----------------------|---------------|
| (1) आरथो | <u>प्रमाण</u> |
| (2) ल/रायेंद्र | |
| (3) प्रमोद वारे | |
| (4) निरंजन निरंजन | |
| (5) निरंजन दास महार | |
| (6) प्रियंका श्रीवास | |
| (7) कुसुम पटेल | |
| (8) शशिनी शिरेडे | |
| (9) जमुना पटेल | |
| (10) भारती साहू | |
| (11) शिवासाहू | |
| (12) आरती बरेठ | |

मंच संचालन - आरथो शशिनी
सहयोगी - भारती, कुसुम, जमुना

(विभागाध्यक्ष)

Principal
M.O. Govt. Arts & Science College
KHARSA (Dist. - Raigarh)

वेका -

(1) ताराचंद -

1954

जीवन परिचय रचनाएं
शब्द प्रेम, भावार्थ, संस्कृति के संवर्धन

(2) शशिनी -

विपरीत

मिना दिखे

संकेत
शुद्ध-अपौरुष, अमिता के लयांग,
और विरह का मानिक चित्रण।

(3) आरती साहिब -

1954

जीवन परिचय,
78 वर्ष की अवस्था में छह बेटों से
मृत्यु, शांति का प्रथम साधक
तीन भाग - कवि, गायक, अग्रिम साहित्य
शब्द प्रेम, सामाजिक जागरण

(4) भारती साहू -

(5) प्रकाश-वारे -

1954

संकेत
प्रकाश 1931, रामवारा के नए
हस्तिकोश में प्रकाश, भाषा कड़ी कौली,
समाज के लयांग, गरी समाज का महत्व

(6) कलम पेंट -

1954

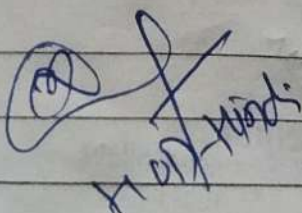
जीवन परिचय
देखें प्रेम, भावार्थ, गरी-हमारा
शक्ति का प्रशोधन में गरी और
नए रूप में,

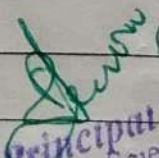
(7) डॉ. अ. के. शर्मा -

जीवन-परिचय
संकेत, भाषा-भाषा

उपमा - भारती साहू

1954

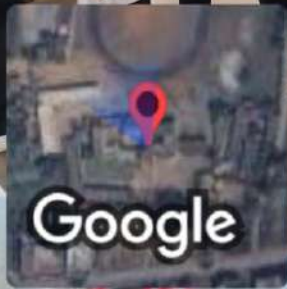

H. K. Sharma


Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
KHARSA (Dist. - Raigarh) C.G.

Signature.....



GPS Map Camera



Kharsia, Chhattisgarh, India



X4h6+gww, Raigad Road, Thakurdiya, Kharsia,
Chhattisgarh 496661, India

Lat 21.97877° Long 83.11248°

Monday, 03/08/2026 01:58 PM GMT +05:30

महाविद्यालय खरसिया के हिंदी विभाग में मनाया गया 'कवि दिवस', राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को किया नमन



संवाद समृद्धि पथ / वीपीएम

खरसिया। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती के अवसर पर शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खरसिया के हिंदी विभाग द्वारा सोमवार को 'कवि दिवस' सादगीपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग के डॉ. आर. के. टंडन के संयोजन में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात छात्राओं भारती, जमुना एवं कुसुम ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर वातावरण को देशभक्ति और सांस्कृतिक रंग से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर डॉ. आर. के. टंडन ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनकी प्रसिद्ध कृति 'भारत-भारती' वर्ष 1912-13 में प्रकाशित हुई थी। इस कृति से प्रेरित होकर महात्मा गांधी ने उन्हें 'राष्ट्रकवि' की उपाधि दी थी। उन्होंने बताया कि महावीर प्रसाद द्विवेदी उनके साहित्यिक गुरु थे तथा साहित्य जगत में उन्हें प्रेमपूर्वक 'ददा' के नाम से भी जाना जाता है। कार्यक्रम में छात्र ताराचंद ने राष्ट्रकवि के जीवन परिचय एवं राष्ट्रप्रेम से जुड़े विचारों को साझा किया। छात्रा रागिनी धिरहे ने महाकाव्य 'साकेत' में उपेक्षित पात्र उर्मिला के विरह-वेदना के मार्मिक चित्रण पर अपने विचार रखे। मंच संचालन करते हुए छात्र आरथो राठिया ने गुप्त जी के जीवन, प्रथम काव्य 'रंग में भंग' तथा उनके साहित्यिक सफर की जानकारी दी। छात्र प्रकाश वारे ने 'साकेत' के माध्यम से त्याग, नारी सम्मान और भारतीय संस्कृति के मूल्यों पर प्रकाश डाला, वहीं कुसुम पटेल ने 'साकेत' एवं 'यशोधरा' में नारी के सशक्त स्वरूप की चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में छात्रा भारती साहू ने सभी वक्ताओं, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रीना साहू, आरती बरेठ, आरथो राठिया, ताराचंद, प्रकाश वारे, नीलकमल, निखिल दास महंत, प्रियंका श्रीवास, कुसुम पटेल, रागिनी धिरहे, जमुना एवं भारती साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के साहित्य, राष्ट्रप्रेम, भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों से परिचित कराना रहा।